# विवि बनाएं उद्योगों के अनुसार सिलेबस: यूजीसी

## विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बनेगा विश्वविद्यालयों और उद्योगों के बीच कड़ी

इंदौर/भोपाल। नईदुनिया प्रतिनिधि

अब विश्वविद्यालयों को उद्योगों की जरूरत के अनुसार सिलेबस तैयार करना होगा। इससे न सिर्फ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि उद्योगों को भी अपनी जरूरत के अनुसार युवा मिल सकेंगे।

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के मकसद से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विश्वविद्यालय और उद्योगों के बीच कड़ी बनने जा रहा है। इसके लिए आयोग की एक कमेटी ने रिपोर्ट तैयार की है। इसमें विश्वविद्यालय और उद्योगों को आपस में जोड़ने के मकसद से कई अनुशंसाएं की गई हैं।

रिपोर्ट के आधार पर विवि को उद्योगों की जरूरत के हिसाब से अपने सिलेबस में बदलाव करना होगा, साथ ही उद्योगों से जुड़े पेशेवर लोगों को अपनी अकादमिक संरचना में शामिल भी करना होगा। उद्योगों से संबंध सुधारने के लिए विश्वविद्यालयों में टेक्नोलॉजी इनोवेशन और आंत्रप्रेन्योरशिप सेल (टीआईई सेल) बनाने की सिफारिश की गई है। यह सेल नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगी। इसके साथ यूजीसी एक कमेटी गठित करेगी। इसमें उद्योग जगत से संबंधित प्रतिष्ठित के मार्गदर्शन में काम करेगी, जिससे यूनिवर्सिटी–इंडस्ट्री लिंकेज की जरूरतें पूरी हो सकें। यूनिवर्सिटी–इंडस्ट्री लिंकेज की स्कीम को प्रमोट कर एक ईको–सिस्टम बनाने पर जोर दिया गया है। इसके लिए यूजीसी ने 400 करोड़ का बजट तैयार किया है।

उद्योगों से अच्छे संबंध बनाने के अलावा विश्वविद्यालय स्तर पर आईपीआर के रिजल्ट में बढ़ोतरी हो सकेगी। इसके लिए सरकार व व्यवसायिक-औद्योगिक संस्थान जैसे एफआईसीसीआई, सीआईआई, एसोचैम आदि महत्वपूर्ण रोल अदा कर सकते हैं। यूजीसी ने पूरा ड्राफ्ट जारी कर छात्र–छात्राओं सहित शिक्षकों, शोधार्थियों व संबंधित से सुझाव नवंबर के अंतिम सप्ताह तक मांगे हैं।

**बहुत पुराने हो गए सिलेबस :** यूजीसी के चेयरमैन प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि विवि में पढ़ाए जाने वाले सिलेबस बहुत पुराने हो चुके हैं। इनमें रोजगार की संभावना कम है। ऐसे में उद्योगों के साथ मिलकर सिलेबस तैयार करने से छात्रों के रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, वहीं उद्योगों को जरूरत के अनुसार युवा मिल सकेंगे।

## नैक निरीक्षण पूरा, एग्जिट मीटिंग में पीयर टीम ने दिए कई सुझाव

# विवि और कॉलेज में कोर्स में समान सिलेबस हो, रिजल्ट में रखें सावधानी

इंदौर। नईदुनिया प्रतिनिधि

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय नैक का दौरा शनिवार को खत्म हो गया। जहां एग्जिट मीटिंग में पीयर टीम ने विश्वविद्यालय में किए जा रहे बेहतर कार्यों की प्रशंसा की। साथ ही व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए कुछ सुझाव भी दिए। नैक की आठ सदस्यीय पीयर टीम ने तीन दिन तक विश्वविद्यालय का दौरा किया। तीन हिस्सों में बांटे सदस्यों ने तक्षशिला और नालंदा परिसर के करीब 39 विभागों, अतिथिगृह, छात्रावास और कर्मचारियों के आवास का जायजा लिया। दौरा खत्म करने से पहले शनिवार को टीम के सदस्य प्रो. रमेश गोयल, प्रो. वी. वुन्नाम, प्रो. पाम्पा मुखर्जी, प्रो. श्रीजीत पीएस, प्रो. मधुमंगला पाल, प्रो. अलका अग्रवाल, प्रो. उमेश सिंह, प्रो. बसंत कुमार मलिक ने चर्चा की। प्रत्येक टीम ने अपनी बात रखी, खामियां बताई और सुझाव दिए।

बताया जाता है कि एग्जिट मीटिंग से पहले पीयर टीम ने कुलपति डॉ. रेणु जैन से भी चर्चा की। विश्वविद्यालय और कॉलेज से संचालित कोर्स का सिलेबस एक समान रखने की बात कही। साथ ही परीक्षा और परिणाम घोषित करने की व्यवस्था ठीक बताई लेकिन गोपनीयता बनाए रखने के लिए पुख्ता इंतजाम करने की सलाह दी। जिससे विद्यार्थियों को यह पता नहीं लग सके कि उनकी कॉपियां किन्हें भेजी गई हैं? टीम ने विश्वविद्यालय में एनआरआई और दूरदराज इलाकों से आने वाले विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने का सुझाव दिया है। इसके लिए उनके अनुसार पाठ्यक्रम बनाने का कहा। पीयर टीम के सदस्य तक्षशिला परिसर की हरियाली और सफाई से काफी खुश नजर आए। उन्होंने परिसर को काफी सुंदर और व्यवस्थित बताया।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में नैक टीम का दौरा शनिवार को खत्म हुआ। एग्जिट मीटिंग के दौरान टीम ने अपने सुझाव कुलपति डॉ. रेणु जैन को सौंपे। ● नईदुनिया

**30 मिनट की एग्जिट मीटिंग**

कुलपति से चर्चा के बाद टीम ने एग्जिट मीटिंग रखी। 30 मिनट चली इस बैठक में सदस्यों ने विश्वविद्यालय को अपनी कमियां दूर रखने की सलाह दी। सुझावों के अलावा विवि को कुछ गाइडलाइन भी दी। बैठक होने के बाद टीम ने बंद लिफाफे में कुलपति को अपनी रिपोर्ट सौंपी। जल्द ही नैक विवि की ग्रेडिंग को लेकर आंकड़े सार्वजनिक करेगी।

**अब परिणाम का इंतजार**

कुलपति डॉ. रेणु जैन ने कहा कि तीन दिन तक विश्वविद्यालय की परीक्षा चली। टीम के सामने हमने बेहतर ढंग से वस्तुओं पर प्रस्तुत करने की कोशिश की है। अब परिणाम का इंतजार है। मुझे उम्मीद है कि विश्वविद्यालय को ए+ ग्रेड मिल सकती है। वैसे टीम के सुझाव पर अगले कुछ दिनों में काम शुरू किया जाएगा।

**चुनौतियां**

- विश्वविद्यालय को अच्छी फैकल्टी रखने की सलाह दी। साथ ही कहा कि करियर एडवांसमेंट कोर्स भी फैकल्टी से अनिवार्य रूप में करवाए जाएं।
- विद्यार्थियों की संप्रेषण क्षमता को बढ़ाने पर जोर दिया है।
- रिसर्च और जर्नल्स की संख्या बढ़ाई जाए। कई विषयों में शोध नहीं होना पाया।
- रिसर्च पब्लिकेशन भी बढ़ाया जाए। खासकर ह्यूमैनिटी और सोशल साइंस क्षेत्र प्रमुख हैं।
- प्रत्येक स्ट्रीम के विद्यार्थियों के लिए नौकरियों के अवसर मिलें, इसके लिए विवि कॉमन प्लेसमेंट करवाए।
- दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए सुविधा बढ़ाने पर भी ध्यान दिया जाए।

**विशेषताएं**

- कई विभागों की व्यवस्था देखकर टीम काफी संतुष्ट नजर आई। इसमें ईएमअरसी, योग, फिजिकल एजुकेशन और एकेडमी स्टाफ कॉलेज शामिल थे।
- तक्षशिला और नालंदा परिसर, लैब और लोकपाल की व्यवस्था बेहतर पाई।
- विभागों में सीवीसीसी सिस्टम को बढ़िया बताया।
- शिक्षकों में बेहतर समन्वय देखने को मिला। सदस्यों ने इसकी प्रशंसा की।